जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 94
दिनांक 01.08.2015

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम को श्रृंद्धाजली

जबलपुर, 01 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आज सम्पन्न एक दिवसीय मासिक सीनियर ऑफीसर मीटिंग (SOM) में भारत के स्व. पूर्व महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साहब की स्मृति में शोक सभा आयोजित कर भावभीनी श्रृंद्धाजली दी गई। इस मौके पर कुलपति डॉ. एस.के. राव, संचालक कुलसचिव श्री राजेश पालीवाल, अनुसंधान सेवाएं डॉ. एस.एस. तोमर, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक शिक्षण डॉ. जी.एस. राजपूत, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी डॉ. देवकान्त, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही. के. प्यासी, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय वारासिवनी बालाघाट डॉ. पी.के. बिसेन, अधिष्ठाता रीवा डॉ. एस.के. पाण्डे, अधिष्ठाता टीकमगढ़ डॉ. आर.के. पाठक, अधिष्ठाता गंजबसौदा डॉ. धीरेन्द्र खरे, कार्यपालन यंत्री इंजी. पी.के सिंह तथा समस्त विभागाध्यक्षगण उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि वर्ष 2006 में स्व. पूर्व महामहिम राष्ट्रपति डॉ. कलाम साहब के जबलपुर आगमन के मौके पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति डॉ. ध्यानपाल सिंह ने उनसे निकटतम भेंट कर कृषि मसौदे पर चर्चा की थी। डॉ. कलाम ने उन्हें काफी गंभीरता से सुना। इस मौके का एक विशाल कैनवास फोटो जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में उपलब्ध है।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 95
दिनांक 05.08.2015

कृषि वि.वि. में 48 छात्रों ने किया रक्तदान

जबलपुर, 05 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में रेडक्रास सोसायटी एवं एल्गिन अस्पताल के सहयोग से ''स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम'' का आयोजन कृषि महाविद्यालय सभागार में कुलपति डॉ. एस.के. राव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, डॉ. संजय मिश्रा आदि ने रक्तदान की महत्ता प्रतिपादित की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डी.के. सिंह ने किया। डॉ. अर्चना पाण्डेय, डॉ. शेखर बघेल, डॉ. निशा सप्रे, डॉ. अनय रावत का सक्रिय सहयोग रहा। ''रक्तदान–जीवनदान'' के लक्ष्य हेतु 48 छात्र–छात्राओं द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के छात्रावास अधीक्षक एवं समस्त विभागाध्यक्ष व प्राध्यापकगण एवं रेडक्रास सोसायटी के श्री रमेश नायडू, श्री सुनील गर्ग व एल्गिन अस्पताल के डाक्टर्स की टीम का सराहनीय योगदान रहा।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 96
दिनांक 07.08.2015

मध्यप्रदेश में 5 वर्षो में 22 प्रतिशत बढ़ा मक्के का उत्पादन
कृषकों को इस वर्ष 1200 रू. प्रति क्वि. तक मूल्य मिलने का अनुमान

जबलपुर, 07 अगस्त। विश्व में धान एवं गेहूँ के पश्चात् मक्का प्रमुख मोटा अनाज फसल है। संयुक्त राज्य अमेरिका, अफ्रीका एवं एशिया प्रमुख मक्का उत्पादित क्षेत्र हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका का मक्के के उत्पादन में प्रथम तथा भारत सातवॉ स्थान है। मक्के का देश के लगभग सभी राज्यों में उत्पादन किया जाता है। भारत विश्व में प्राप्त मक्का उत्पादकता स्तर से काफी पिछड़ा हुआ है जहॉ पर आधी उत्पादकता स्तर ही प्राप्त होती है।

मध्यप्रदेश का भारत में मक्के के कुल उत्पादन में छठवॉ स्थान है तथा उत्पादकता की दृष्टि से प्रदेश राष्ट्रीय औसत स्तर से काफी पिछड़ा हुआ है। पिछले पॉच वर्ष में मक्के के उत्पादन में 22 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। प्रदेश में छिन्दवाडा, धार, झाबुआ, रतलाम एवं बैतुल प्रमुख मक्का उत्पादन जिले हैं जिनका प्रदेश के कुल मक्का उत्पादन में दो तिहाई से अधिक योगदान है। उपरोक्त जिलों में छिन्दवाडा जिले में मक्के का उत्पादन सबसे अधिक है। प्रदेश के सभी जिलों में खरीफ ऋतु में मक्का की बुवाई 15 जून से जुलाई के मध्य तथा कटाई अक्टूबर माह में की जाती है। मध्यप्रदेश की मंडियों में मक्का उत्पाद की अधिकतम आवक अक्टूबर से दिसम्बर माह में रहती है। मक्का की कीमत दवा उद्योग, मुर्गी उद्योगों में दाने की मांग तथा वर्षा कारक मक्का का उत्पादन तथा आवक आदि पर निर्भर करती है।

विभिन्न प्रमुख फसलों की पूर्वानुमानित कीमतों की जानकारी कृषकों तक पहुॅचाने के लिये जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थिति कृषि अर्थशास्त्र एवं प्रक्षेत्र प्रबंध विभाग में ''बाजार असूचना (मार्केट इंटेलीजेन्स)'' नामक परियोजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रमुख फसलों की पूर्वानुमानित कीमतों को विभिन्न माध्यमों जैसे अखबार, रेडियो, कृषि विज्ञान केन्द्र, किसान कॉल सेन्टर आदि के द्वारा कृषकोंतक वितरित किया जाता है, जिससे कृषक अपनी फसल को उचित क्षेत्र में बुवाई करने का निर्णय ले सकें।

वर्ष जनवरी 2003 से मई 2015 तक की मक्का मॉडल कीमतों को विभिन्न माध्यमों से एकत्रित कर आर्च, गार्च तथा एरिमा अर्थमिति तकनीकों के द्वारा विश्लेषित कर पूर्वानुमानित कीमतों का अनुमान लगाया गया जिसके फलस्वरूप अक्टूबर माह में मक्के की पूर्वानुमानित कीमत 1100 रूपये प्रति क्वि. से 1200 रूपये प्रति क्वि. अनुमानित की गयी, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य जो कि 1325 रूपये प्रति क्वि. है के लगभग समान है। अतः कृषका मांग की पूर्ति हेतु मक्के की फसल को अधिक से अधिक क्षेत्र में बुवाई करने का निर्णय ले सकते हैं।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 97
दिनांक 07.08.2015

कृषि वि.वि. में नये छात्रों का परिचय एवं पंजीकरण

जबलपुर, 07 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में सत्र 2015–16 के लिये बी.एस.सी. (कृषि) प्रथम वर्ष में आये नये छात्र–छात्राओं का परियच एवं पंजीकरण कार्यक्रम दिनांक 10 अगस्त, 2015 को कृषि महाविद्यालय स्थित विवेकानन्द हॉल में आयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम डॉ. एस.के. राव, अधिष्ठाता कृषि संकाय, जनेकृविवि अध्यक्षता में होगा। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक, छात्रावास अधीक्षक आदि उपस्थित होंगे। इस कार्यक्रम के पश्चात् नये छात्र–छात्राओं की कक्षा नियमित रूप से प्रारम्भ हो जावेगी।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 98
दिनांक 11.08.2015

देश को कृषि वैज्ञानिकों की सख्त जरूरत : डॉ. राव
कृषि वि.वि. में नवागत छात्रों का परिचय कार्यक्रम सम्पन्न
भविष्य के प्रति सजग नवागत छात्रों में बढ़ी जिज्ञासा

जबलपुर, 11 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त करने वाले नवागत छात्र–छात्राओं का उल्लासमय वातावरण में परिचय (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. एस.के. राव ने आसंदी से छात्रों को सम्बोधित करते हुये आव्हान किया कि आप सब भविष्य के महान कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक और कृषि व्यवसायी हैं। वर्तमान में देश को कृषि वैज्ञानिकों की सख्त जरूरत है। लगन, मेहनत और परिश्रम से आप भावी कुलपति, अधिष्ठाता और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक हो सकते हैं। डॉ. राव ने आगे कहा कि जनेकृविवि देश का अग्रणी कृषि विश्वविद्यालय है। उन्होंने आधुनिक कृषि शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी के समन्वय की आवश्यक प्रतिपादित की।

कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने स्वागत उदबोधन में विश्वविद्यालय एवं कृषि महाविद्यालय के गौरवपूर्ण इतिहास और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी देकर कृषि शिक्षा के महत्व को समझया। समारोह के अध्यक्ष प्रभारी शिक्षण डॉ. जयन्त भट्ट ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नियमावली, पाठ्यक्रम एंव शैक्षणिकोत्तर गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस मौके पर संचालक शिक्षण डॉ. जी.एस. राजपूत, सभी विभागाध्यक्ष, छात्रावास अधीक्षक (वार्डन), प्राध्यापक, कर्मचारीगणों के साथ ही विद्यार्थियों के पालकगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समारोह में लगभग 250 नवागत छात्र–छात्राएं शामिल हुई। कार्यक्रम का रोचक संचालन डॉ. अमित शर्मा ने एवं आभार प्रदर्शन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी ने किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 99
दिनांक 12.08.2015

भारत विश्व का प्रमुख अरहर उत्पादक देश
विश्व में 80 प्रतिशत योगदान भारत का
प्रमुख अरहर उत्पादक जिलों में जबलपुर शामिल

जबलपुर, 12 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली की मदद से कृषकों की पूर्वानुमानित कीमतों की जानकारी प्राप्त करने हेतु कृषि अर्थशास्त्र एवं प्रक्षेत्र प्रबंध विभाग में ''बाजार असूचना (मार्केट इंटेलीजेन्स)'' नामक परियोजना चलायी जा रही है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रमुख फसलों की बुवाई तथा कटाई से पूर्व कीमतों का पूर्वानुमान लगाया जाता है। जिससे कृषक बुवाई तथा फसल को उचित कीमत पर बेचने के संबंध में निर्णय ले सकें। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015–16 में अरहर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 4625 रूपये प्रति क्वि. घोषित किया गया है। वर्ष जनवरी 2003 से मई 2015 तक की अरहर मॉडल कीमतों को विभिन्न माध्यमों से एकत्रित कर आर्च, गार्च तथा एरिमा अर्थमिति तकनीकों के द्वारा विश्लेषित कर पूर्वानुमानित कीमतों का अनुमान लगाया गया जिसके फलस्वरूप कटाई के समय अरहर की पूर्वानुमानित कीमत 6600 रूपये प्रति क्वि. से 6800 रूपये प्रति क्वि. के मध्य रहने की संभावना जताई जा रही है। अतः जिन कृषकों के पास संग्रहण सुविधा उपलब्ध है, वह कुछ समय अपनी फसल को संग्रहित करने के पश्चात् विक्रय करें जिससे उन्हें अपनी फसल का अधिक से अधिक मूल्य प्राप्त हो सके।

अरहर खरीफ ऋतु की प्रमुख फसल है तथा कुल दलहनों में इसका सबसे अधिक उत्पादन होता है। भारत विश्व में का प्रमुख अरहर उत्पादक देश है। विश्व के कुल रकबे तथा उत्पादन में 80 प्रतिशत योगदान अकेले भारत का है। अन्य अरहर उत्पादक देश म्यॉमार, मलावी एवं नेपाल आदि हैं। विश्व के कुल दलहन का 6.5 प्रतिशत रकबा तथा 5.7 प्रतिशत उत्पादन अकेले अरहर का होता है। वर्ष 2014–15 में भारत में कुल उत्पादन 6,6900 टन हुआ था जिसका 3.72 मिलियन टन उत्पादन अरहर का था। अरहर उत्पादन में एकाधिकार होने के बावजूद भारत प्रत्येक वर्ष 4 से 5 लाख टन अरहर का आयात मुख्यतः म्यॉमार से करता है। भारत में अरहर का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्य मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात है। वर्ष 2013–14 में वर्षा में विलम्ब व न्यूनतम वर्षा होने के कारण अरहर के रकबे में कमी पायी थी। वर्ष 2014–15 में पिछले वर्ष की तुलना में 7.31 प्रतिशत की कमी की गयी थी तथा 36.01 लाख हेक्टे. क्षेत्र में बुवाई की गयी। अनियमित वर्षा एवं कई जगह सूखा पड़ने के कारण अरहर की उपज भी प्रभावित हुई। वर्ष 2014–15 में अरहर के उत्पादन में 16. 7 प्रतिशत अर्थात 2.74 मिलियन टन की कमी आयी परिणातस्वरूप मध्य दिसम्बर में अरहर के कीमत में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विदर्भ (महाराष्ट्र) की मंडियों में अरहर का आगमन जनवरी माह में प्रारंभ हुआ तथा मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश में फरवरी माह में अरहर की मंडियों में आगमन प्रारंभ किया गया।

मध्यप्रदेश को अरहर के रकबे तथा उत्पादन में तृतीय स्थान तथा उत्पादकता में आठवॉ स्थान प्राप्त है। मध्यप्रदेश में जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, रायसेन, दमोह, रीवा एवं बैतुल प्रमुख अरहर उत्पादक करने वाले जिलों में अरहर का बुवाई जून से अगस्त माह में की जाती है तथा मार्च माह से सामान्यतः मंडियों में आगमन प्रारंभ होता है। मध्यप्रदेश में पिपारिया, इन्दौर, भोपाल एवं विदिशा प्रमुख व्यापारिक केन्द्र है।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 100
दिनांक 12.08.2015

माता एवं शिशु को स्वस्थ्य रखना परिवार और समाज का नैतिक दायित्व
कृषि वि.वि. में मातृत्व एवं शिशु सुरक्षा प्रशिक्षण संपंन

जबलपुर, 12 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र जबलपुर में जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता–सहायिकाओं को तकनीकी दृष्टि से और समृद्ध बनाने हेतु ''मातृत्व एवं शिशु सुरक्षा व देखभाल'' विषय पर दो दिवसीय सेवाकालीन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक विस्तार सेवाएं ने मुख्य आतिथि की आसंदी से कहा कि माता एवं शिशु को स्वस्थ्य रखना परिवार और समाज का नैतिक दायित्व है। उन्होंने महिलाओं एवं शिशुओं के स्वस्थ के साथ ही महिला सशक्तिकरण पर भी बल दिया। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि श्रीमति निधि तिवारी, आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक मंचासीन थी। समारोह के अध्यक्ष व समन्वयक डॉ. डी.पी. शर्मा ने कार्यकर्ताओं द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना की तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के साथ समन्वय स्थापित कर बेहतर कार्य करने पर जोर दिया।

मुख्य प्रशिक्षिका डॉ. शशि गौर ने सोयाबीन से तैयार गुणवत्ता युक्त पौष्टिक उत्पादों को बनाने व इसके उपयोग की विधि बताई। डॉ. नीलू विश्वकर्मा ने संतुलित आहार पर विस्तृत चर्चा की प्रशिक्षण के दौरान डॉ. मोनी थामस, डॉ. एस. बी. अग्रवाल, डॉ. वाई.एम. शर्मा, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. डी.पी. सिंह एवं डॉ. रिचा सिंह ने भी प्रशिक्षण एवं भ्रमण के माध्यम से आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को जागरूक करने का प्रयास किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 101
दिनांक 13.08.2015

पुस्तकें ज्ञान का महासागर इन्हें दोस्त बनाएं कृषि वि.वि. में नेशनल लाईब्रेरियन्स डे संपंन

जबलपुर 13 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय में, **पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन** के 123वें जन्म दिवस के अवसर पर **नेशनल लाईब्रेरियन्स डे** का आयोजन किया गया। इस मौके पर संचालक शिक्षण डॉ. जी.एस. राजपूत ने मुख्य अतिथि की आसंदी से छात्रों का आव्हान किया कि वे विज्ञान, साहित्य, क्रीड़ा सहित विभिन्न विषयों की पुस्तकें अवश्य पढ़ें और पुस्तकों को दोस्त बनायें क्योंकि पुस्तकें ज्ञान का महासागर हैं, इसमें जितने गोते लगायेंगे उतने मोती हमारे हाथ अवश्य लगेंगे।

छात्र–छात्राओं में पुस्तकालय के प्रति जागृति हेतु सक्रिय छात्र राघवेन्द्र सिंह मीणा एम.एस.सी (वानिकी) को **श्रेष्ठ पुस्तकालय उपयोगकर्ता 2015 का अवार्ड** प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजक एवं पुस्तकालय प्रभारी डॉ. एल.पी.एस. राजपूत ने जनेकृविवि के वृहत पुस्तकालयों की संक्षिप्त जानकारी में बताया कि इस पुस्तकालय में विश्वस्तरीय पुस्तकें, ग्रन्थों के साथ ही महत्वपूर्ण ऐतिहासिक थीसिस मौजूद हैं, ज्ञानार्जन हेतु छात्र इनका भरपूर उपयोग कर सकते हैं। इस आयोजन में सहायक ग्रन्थपाल श्री प्रदीप दीक्षित एवं पुस्तकालय के समस्त कर्मचारियों के साथ ही बडी संख्या में छात्र–छात्राऐं उपस्थित थीं।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 102
दिनांक 14.08.2015

स्वतंत्रता दिवस

कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति करेंगे ध्वजारोहण

जबलपुर, 14 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के जवाहर स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ध्वजारोहण करेंगे। उपरान्त राष्ट्रगान एवं उदबोधन होगा। कुलसचिव श्री राजेश पालीवाल ने उपस्थिति की अपील है।

रोशन हुई इमारतें

जनेकृविवि मुख्यालय सहित कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जवाहर क्रीड़ागन एवं परिसर की मुख्य इमारतों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 103
दिनांक 16.08.2015

कृषि विवि का नाम देश दुनिया में फैल रहा – प्रो. तोमर
कृषि विवि में प्रो. तोमर ने किया ध्वजारोहण

जबलपुर 16 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर कुलसचिव राजेश पालीवाल, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. एस.के. राव, संचालक अनुसंधान डॉ. साहिब सिंह तोमर, संचालक विस्तार डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक शिक्षण डॉ. जी. एस. राजपूत, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि महा. डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महा. डॉ. देवकान्त, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र उपस्थित थे। अपने उदबोधन में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कृषि विवि का नाम देश दुनिया में फैल रहा है। विवि द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की प्रजाति प्रदेश और देश ही नहीं दुनियाभर में उगाई जा रही है। प्रो. तोमर ने बताया शीघ्र ही प्रदेश में नये कृषि महाविद्यालय खुलेंगे। जैविक खेती डिप्लोमा कोर्स शुरू होंगे। रावे में तरक्की होगी। छात्रों हेतु फैलोशिप शुरू होगी। जैविक खाद–कीटनाशक के मॉडल प्रदेश हेतु तैयार होंगे। ई–लैब, सागर, छिंदवाड़ा व धार जिलें में दो–दो कृषि विज्ञान केन्द्र खुलेंगे। मंडला और नरसिंहपुर गन्ना अनुसंधान केन्द्र खुलेंगे। विवि मॉडल गांव तैयार करेगा। विवि ने फसलों की नई प्रजातियां विकसित की है। इस मौके पर प्रो. तोमर में एन.सी.सी. और राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों को प्रमाण–पत्र प्रदान किये। कृषिनगर प्राथमिकशाला के नन्हें–मुन्ने छात्रों ने रंगारंग देशभाक्तिपूर्ण प्रस्तुति से मन मोहा। संचालन डॉ. अमित शर्मा व आभार डॉ. व्ही.के. प्यासी ने किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक 18.08.2015

''कृषि में कैरियर अवसर एवं कृषि प्रशासनिक सुधार में आइसा की भूमिका''
जनेकृविवि में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आज
राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रमुख नीति सलाहकार का होगा आगमन

जबलपुर 18 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय सभागार में आज प्रातः 11 बजे अखिल भारतीय कृषि छात्र संघ द्वारा ''कृषि में कैरियर अवसर एवं कृषि प्रशासनिक सुधार में आइसा (AIASA) की भूमिका'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. सहदेवा सिंह (मुख्य नीति सलाहकार एवं पूर्व डिप्टी कमिश्नर एवं हेड नीति एवं योजना आयोग भारत सरकार) शिरकत करेंगे। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर एवं अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. एस.के. राव करेंगे। अखिल भारतीय कृषि छात्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. एस.एस. तोमर, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक शिक्षण डॉ. जी.एस. राजपूत एवं कुलसचिव श्री राजेश पालीवाल विशिष्ट अतिथि होंगे। अखिल भारतीय कृषि छात्र संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश सलाहकार श्री आर.पी. सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अजय वर्मा एवं हरिदर्शन चौकसे आदि ने उपस्थिति की अपील की है।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक 19.08.2015

कृषि में भी भारतीय कृषि सेवा ¼IAS½ का गठन हो – डॉ. सहदेव
जनेकृविवि में एक दिवसीय कार्यशाला संपंन
देश में कृषि क्षेत्र के 1 लाख 40 हजार पद रिक्त

जबलपुर 19 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय सभागार में आज अखिल भारतीय कृषि छात्र संघ द्वारा ''कृषि में कैरियर अवसर एवं कृषि प्रशासनिक सुधार में आइसा (AIASA) की भूमिका'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. सहदेवा सिंह (मुख्य नीति सलाहकार एवं पूर्व डिप्टी कमिश्नर एवं हेड नीति एवं योजना आयोग भारत सरकार) ने कहा कि कृषि में भी भारतीय कृषि सेवा का गठन होना चाहिए। देश में कृषि क्षेत्र के 1 लाख 40 हजार पद रिक्त हैं जिन्हें भरा जाना चाहिये। चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कानून आदि के समतुल्य कृषि क्षेत्र में भी पेशेवर दर्जा दिया जाये और भारतीय कृषि परिषद की स्थापना हो।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. एस.के. राव ने कहा तकनीकी के बिना देश का विकास नहीं हो सकता। कृषि क्षेत्र में अधिकाधिक इन्वेस्टमेन्ट किया जाये ताकि कृषि छात्र बिजनेस लाईन में आ सके। अखिल भारतीय कृषि छात्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार ने कहा संगठन में ही शाक्ति है। आज की सबसे चुनौती युवाओं को कृषि के क्षेत्र में आकर्षित करना है। कृषि स्नातक को लाईसेंस दिया जाना चाहिए और कृषि व्यवसाय हेतु सरकार को आर्थिक मदद करना चाहिए। देश में हर साल 10 हजार कृषि छात्र पी.एच.डी. करते हैं और शिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में जाना पसंद करते हैं। कृषि स्नातक को व्यवसाय हेतु प्रेरित करना होगा ताकि वैज्ञानिक और किसान के बीच की दूरी कम होगी।

कार्यशाला की अध्यक्ष डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने कहा कृषि क्षेत्र में कैरियर बनाने छात्र आज उत्साहित हैं। देश में 68 प्रतिशत युवा हैं। वे किसी भी प्रकार की क्रान्ति लाने में सक्षम हैं। भविष्य में हमें दक्ष और प्रतिभाशाली की महत्ती आवश्यकता होगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में संचालक शिक्षण डॉ. जी.एस. राजपूत, डॉ. एस.के. पाण्डे, रणविजय सिंह, आइसा प्रदेश उपाध्यक्ष अजय वर्मा, संयुक्त सचिव सुर्यकान्त नागरे आदि मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित शर्मा एवं आभार प्रदर्शन ललित जायसवाल ने किया। इस मौके पर शिक्षक, वैज्ञानिक और उत्साहित छात्रों से सभागार खचाखच भरा था। पूर्व में कृषि छात्राओं ने सस्वर गीतों की प्रस्तुति दी और पुष्पगुच्छ प्रदान कर अतिथि सत्कार किया।

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 104
दिनांक 20.08.2015

132 कृषि विवि कर्मचारियों को मिला समयमान वेतनमान महंगाई भत्ता भी बढ़ा : विवि में हर्ष का माहौल

जबलपुर 20 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को 30 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर 1 जुलाई 2014 से प्रभावशील समयमान वेतनमान योजना के तहत तृतीय उच्चतर वेतनमान के आदेश कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के निर्देशन में कुलसचिव श्री राजेश पालीवाल द्वारा जारी किये गए हैं। समयमान वेतन का लाभ कुल 132 कर्मचारियों को दिया गया है। इनमें कृषि विस्तार अधिकारी, कार्यालय सहायक, वाहन चालक, प्रक्षेत्र विस्तार अधिकारी, जूनियर कम्प्यूटर, प्रयोगशाला तकनीशियन, स्टेनोग्राफर और स्टेनो टायपिस्ट आदि शामिल हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों हेतु महंगाई भत्ते के आदेश भी जारी किये गए हैं। तीन माह का एरियर कर्मचारी के प्रोवीडेन्ट फंड में जमा होगा और एक माह का एरियर नगद प्रदान किया जाएगा। ओल्ड पेंशसर्न 55 (2) को भी महंगाई भत्ते का लाभ दिया गया है। इन सौगातों को पाकर कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 105
दिनांक 21.08.2015

हाईटेक होंगे कृषि विज्ञान केन्द्र– प्रो. तोमर
कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा बैठक शुरू

जबलपुर 21 अगस्त। कृषि एवं कृषकों की उन्नति हेतु आवश्यक है कि समस्याओं का समाधान एवं तकनीकी तुरंत उपलब्ध हों इसके लिये हमारे कृषि विज्ञान केन्द्रों को कृषि प्रौद्योगिकी तकनीकी सूचना केन्द्र (एटिक) की तरह कार्य करना होगा। इससे विज्ञान, वैज्ञानिक और कृषक के बीच की दूरी कम होगी और उत्पादन में इजाफा होगा। पंचवर्षीय योजनाओं में सूचना प्रौद्योगिकी के तहत् कृषि विज्ञान केन्द्रों को मोबाइल संदेश, ई किसान और इंटरनेट आधारित सेवायें भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्रों को कृषि आधारित साहित्य, शोधपत्र भी उपलब्ध कराकर लाइब्रेरी सुविधा भी शुरू की जा रही है। ये केन्द्र हाईटेक होंगे। उक्ताशय के उद्‌गार जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने बारहवीं पंचवर्षीय योजना के तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों को आवंटित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के उद्‌घाटन के अवसर पर व्यक्त किये।

इस मौके पर संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. मिश्रा ने बताया कि बारहवीं पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि विज्ञान केन्द्रों को और अधिक संसाधन एवं वित्तीय रूप से सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इसी योजना के तहत् प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्रों को कृषि नवाचार हेतु विशेष केन्द्र जिले की विशेषता के अनुसार विकसित करना है। इनमें प्रमुख रूप से कृषि विज्ञान केन्द्रों को तकनीकी प्रसारण केन्द्र, तकनीकी सूचना इकाई, समन्वित खेती प्रणाली (I.F.S.), सूक्ष्म सिंचाई योजना, रेन वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम, प्रसंस्करण इकाई आधारित योजनाओं को भारत सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव जमा किये जाने हैं।

इस सभी परियोजनाओं की समीक्षा हेतु दो दिवसीय बैठक का आयोजन किया जा रहा है। बैठक के पश्चात् प्रस्तावों को अंतिम रूप देकर भारत सरकार को भेजा जायेगा। इन परियोजनाओं की स्वीकृति के पश्चात् विश्वविद्यालय के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्यरत् 20 कृषि विज्ञान केन्द्र अपने विशेष तकनीकी केन्द्र के रूप में जाना पहचाना जायेगा। समीक्षा बैठक में आंचलिक परियोजना निदेशालय जोन–7 (ICAR) के निदेशक डॉ. अनुपम मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. एस.के. राव, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. मिश्रा, संयुक्त संचालक विस्तार डॉ. एम.के. हरदहा, डॉ. डी.पी. शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. डी.के. पहलवान, डॉ. एस.बी. अग्रवाल, डॉ. अनय रावत आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय वैशम्पायन एवं आभार प्रदर्शन संयुक्त संचालक विस्तार एवं प्रभारी लेखानियंत्रक डॉ. एम.के. हरदहा ने किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 106
दिनांक 22.08.2015

सिंचित क्षेत्रों में दोगुना होता है फसलों का उत्पादन
जनेकृविवि करेगा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का मूल्यांकन
दो दिनी प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर 22 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिनी ''मध्यप्रदेश में राजीव गांधी एकीकृत जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन का भू–उपयोग एवं फसल पद्धति पर प्रभाव का मूल्यांकन अध्ययन'' विषयक प्रशिक्षण में श्री विवेक दवे संयुक्त आयुक्त राजीव गांधी एकीकृत जल ग्रहण प्रबंधन मिशन, भोपाल ने मुख्य अतिथि की आंसदी से कहा कि वर्षा निर्भर क्षेत्रों की तुलना में सिंचित क्षेत्रों में फसलों की उत्पादकता दुगनी होती है। इस आशय को ध्यान में रखते हुये मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई (वाटरशेड विकास) योजना की शुरूआत वर्ष 2009–10 में हुई। राजीव गांधी एकीकृत जल ग्रहण प्रबंधन मिशन योजना के मूल्यांकन अध्ययन के लिये इसका दायित्व जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि आर्थिक अनुसंधान केन्द्र को सौंपा गया है। जिसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आये प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

संचालक अनुसंधान डॉ. एस.एस. तोमर ने जलग्रहण प्रबंधन के तकनीकी पहलुओं का विश्लेषण किया और प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। अध्यक्षीय उदबोधन में संचालक विस्तार डॉ. पी.के. मिश्रा ने वाटरशेड के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश ड़ाला और प्रोजेक्ट मूल्यांकन को और अधिक प्रभावशाली बनाने पर जोर दिया। डॉ. हरिओम शर्मा संचालक कृषि आर्थिक अनुसंधान केन्द्र, जबलपुर ने प्रशिक्षण के परिचय एवं महत्व पर प्रकाश ड़ाला। अधिष्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने कहा कि उपलब्धियों के साथ कमियों को भी अवश्य देखा जावे। पूर्व में विभागाध्यक्ष डॉ. एन.के. रघुवंशी ने अतिथि सत्कार किया।

तकनीकी प्रशिक्षण सत्र में डॉ. एम.एल. साहू वरिष्ठ वैज्ञानिक (जल तथा मृदा संरक्षण) ने विस्तार से एकीकृत जलग्रहण प्रबंधन पर प्रकाश ड़ाला। सेवानिवत्त प्राध्यापक डॉ. एन.एल. इदनानी ने जलग्रहण प्रबंधन की मूल्यांकन विधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक राठी एवं डॉ. आर.एम. साहू ने आभार व्यक्त किया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 107
दिनांक 26.08.2015

स्वरोजगार हेतु नर्सरी प्रबंधन फल, फूल एवं सब्जी पर 10 दिवसीय व्यवहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण

जबलपुर 26 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में स्वरोजगार हेतु नर्सरी प्रबंधन फल, फूल एवं सब्जी विषय पर व्यवहारिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण 2 से 15 सितम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के नवयुवकों को नर्सरी में पौधे तैयार करना, ग्राफ्ट तैयार करना इत्यादि विषय पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया जायेगा। जिससे उद्यानिकी क्षेत्र में नवयुवकों के लिये स्वरोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र जबलपुर के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा के मार्गदर्शन में किया जावेगा। प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र जबलपुर के फोन नंबर 0761–2681626 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 108
दिनांक 28.08.2015

ज.ने. कृषि वि.वि. में
अशोक कुमार खम्परिया होंगे सेवानिवृत्त

जबलपुर 28 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव श्री अशोक कुमार खम्परिया 31 अगस्त 2015 को अपनी 38 वर्षीय सेवाओं के उपरान्त 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होंगे।

—000—

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 109
दिनांक 30.08.2015

ज.ने. कृषि वि.वि. में
अन्तर्राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर सेवानिवृत्त होंगे

जबलपुर 30 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान एवं अन्तर्राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. साहिब सिंह तोमर 31 अगस्त 2015 को सेवानिवृत्त होंगे। उन्हें सम्मानजनक विदाई दी जायेगी।

लम्बे सेवाकाल में आपने 110 शोध पत्र, 12 बुलेटिन, 01 पुस्तक एवं 06 पुस्तकों के अध्यायों का प्रकाशन किया जिनमें 20 शोध पत्र अर्न्तराष्ट्रीय स्तर की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। संचालक अनुसंधान सेवायें के पद पर रहते हुए आपने 12 करोड़ रूपये के संसाधनों का उपार्जन विश्वविद्यालय के लिए किया साथ ही विगत 5 वर्षो में 162 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाऐं भारत सरकार, राज्य सरकार तथा अन्य संस्थाओं द्वारा विश्वविद्यालय के लिए प्राप्त की। इसके अतिरिक्त कृषि महाविद्यालय टीकमगढ़, गंजबसौदा, वारासिवनी, शुष्क उद्यानिकी केन्द्र गढ़ाकोटा, गन्ना अनुसंधान केन्द्र बोहानी एवं जैविक खेती अनुसंधान केन्द्र, मंडला की स्थापना में आपका विशेष योगदान रहा। मध्यप्रदेश राज्य विपणन बोर्ड द्वारा लगभग 70 करोड़ रूपये की विभिन्न परियोजनाऐं विश्वविद्यालय के लिए स्वीकृत कराई। स्वर्ण जयंती वर्ष के दौरान 12 राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन कराया जो कि विश्वविद्यालय में एक कीर्तिमान हैं। आपने विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न वैज्ञानिक संगोश्ठियों में विशिष्ट भूमिका निभाई। आप भारतीय मृदा विज्ञान समिति नई दिल्ली के फेलो से भी विभूषित किये गये हैं।

आपकी प्रथम नियुक्ति वर्ष 1972 में वरिष्ठ अनुसंधान सहायक के पद पर जवाहलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में हुई तत्पश्चात वर्ष 1973 में सहायक प्राध्यापक, वर्ष 1985 में सह प्राध्यापक एवं वर्ष 1998 में प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति हुई। वर्ष 2001 से 2005 तक आप अधिष्ठाता, छात्र कल्याण एवं वर्ष 2005 से 2008 तक अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, खंडवा, इंदौर एवं जबलपुर के पद पर आसीन रहे। वर्ष 2007 से 2009 तक आपने कुलसचिव, संचालक शिक्षण, अधिष्ठाता पशु चिकित्सा संकाय एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय के पदों को सुशोभित किया। वर्तमान में सन् 2008 से आप संचालक अनुसंधान सेवायें के पद को सुशोभित कर रहे हैं।

आपका जन्म 02 अगस्त 1950 को ग्राम कौथर खुर्द जिला मुरैना (मध्यप्रदेश) में हुआ, आपने वर्ष 1965 में मध्यप्रदेश बोर्ड, भोपाल की उच्चतर माध्यमिक परीक्षा नागाजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पोरसा, जिला मुरैना से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। आपने कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर से बी.एस.सी. (कृषि) वर्ष 1969 में तथा एम. एस.सी. (कृषि), मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र की उपाधि वर्ष 1971 में प्रथम श्रेणी में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से अर्जित की। वर्ष 1987 में पी.एच.डी. (मृदा भौतिकी) की उपाधि आई. सी.ए.आर. की विशिष्ट छात्र वृत्तियों के साथ जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर से अर्जित की। अपने सहज, सरल, सौम्य एवं सदाशयी स्वभाव के कारण आप सहयोगियों, आचार्यों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं कृषकों में अत्यंत लोकप्रिय रहे है।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 110
दिनांक 30.08.2015

नारीशक्ति हुनर को दे उद्योग का रूप
कृषि विवि में महिलाओं हेतु कुशन प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर 30 अगस्त। ''स्वरोजगार अपनाकर नारीशक्ति परिवार समाज और राष्ट्र को समृद्धशाली बना सकती है। नारियों में जन्मजात हुनर होता है। इस हुनर का इस्तेमाल व्यवसाय हेतु किया जा सकता है। यदि हुनर का उपयोग समूह बनाकर किया जाए तो एक बड़ा उद्योग स्थापित किया जा सकता है। महिलाओं द्वारा देश में चलाये जा रहे अनेक उद्योग इसकी अनूठी मिसाल हैं।'' तदाशय के उदगार डॉ. पी.के. मिश्रा संचालक विस्तार सेवायें ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कृषि विज्ञान केन्द्र जबलपुर, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में महिलाओं हेतु स्वरोजगार हेतु ''डिजाईनर कुशन बनाने'' 10 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान व्यक्त किये। 30 युवतियो एवं महिलाओं ने डिजाईनर कुशन तथा कुशन कवर बनाने का प्रशिक्षण मुख्य प्रशिक्षिका एवं होम सांइटिस्ट डॉ. नीलू विश्वकर्मा से प्राप्त किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं द्वारा स्वयं सहायता समूह बनाकर कुशन व्यवसाय से अतिरिक्त आय अर्जित करना है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. डी. पी. शर्मा ने महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु प्रशिक्षण की अनिवार्यता निरूपित की तथा महिलाओं द्वारा तैयार किये गये उत्पाद बेचने हेतु हाट–बाजार शिल्पमेला, कृषि मेला आदि अवसरों पर बाजार व्यवस्था की उपलब्धता की जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. मोनी थामस, डॉ. एस.बी. अग्रवाल, डॉ. वाई.एम. शर्मा, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. शशि गौर, डॉ. बी.पी. बिसेन, डॉ. डी.पी. सिंह, डॉ. रिचा सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डी.के. सिंह तथा आभार प्रदर्शन डॉ. नीलू विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

–000–

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 111
दिनांक 30.08.2015

डॉ. तोमर कृषि विश्वविद्यालय के मजबूत स्तंभ– कुलपति

कृषि विवि में अन्तर्राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. साहिब सिंह तोमर को भावभीनी विदाई

जबलपुर 30 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान एवं अन्तर्राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक डॉ. साहिब सिंह तोमर की सेवानिवृत्ति पर उन्हें अधिकारी, वैज्ञानिक, शिक्षक, कर्मचारी और छात्रों द्वारा सम्मानजनक भावभीनी विदाई दी गई। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने उन्हें शाल, श्रीफल और पुष्पहार भेंट करते हुये, कहा कि डॉ. तोमर कृषि विश्वविद्यालय के मजबूत स्तंभ हैं। प्रदेश, देश और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उनके अनुसंधानत्मक कार्यो का अतुलनीय योगदान है। इस मौके पर डॉ. एस.के. राव, डॉ. पी.के. मिश्रा, डॉ. जी.एस. राजूपत, डॉ. डी.के. मिश्रा, डॉ. देवकान्त, इंजी. पी.के. सिंह, डॉ. दिनकर शर्मा, डॉ. यू.के. खरे डॉ. आर.के. नेमा एवं जापानी वैज्ञानिक डॉ. वाडा आदि मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन ए.पी. गोरे एवं आभार डॉ. शिवरतन ने किया। कृषि महाविद्यालय जबलपुर, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर सहित विभिन्न विभागों में भी डॉ. साहिब सिंह तोमर को सम्मान और विदाई दी गई। डॉ. तोमर ने सम्मान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

डॉ. एस.के. राव को मिला प्रभार

वर्तमान अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. एस.के. राव को संचालक अनुसंधान का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

–000–